

ओ रेवा-तेरे चरणों से-
 मिला मुझे जो प्यार
 दिल में बसी जब सूरत तेरी
 व्यर्थ-लगा-संसार ॥२॥

बीच भँवर में-करती मेरी
 कोई न खेवनहार ॥२॥

ओ रेवा-----

अविरल नीर नयन से बहते
 पुष्प समझ स्वीकार ॥२॥

ओ रेवा-----

वन जीवन पाया है तुमसे
 किया बड़ा उपकार ॥२॥

ओ रेवा-----

आठों पेहर "श्री बाबा श्री" पुकारें
 करो रेवा उद्धार ॥२॥

मैया जी... करो रेवा उद्धार

ओ रेवा-----